प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर ने शौर्य दिवस पर किया शहीदों को नमन

शहीदों के परिवारजनों को किया सम्मानित

पंतनगर। २६ जुलाई २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज अपराह्न में कारगिल विजय दिवस को शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया, जिसमें अतिथियों व उपस्थित जनों ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही पंतनगर के आस-पास स्थित सेना के शहीद जवानों के परिवारों, सैनिकों व पूर्व सैनिकों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. जे. कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल मंचासीन थे। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में उत्तराखण्ड के शहीदों के परिवार के सदस्य एवं पूर्व सैनिक भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डा. जे. कुमार ने कहा कि कारगिल का युद्ध देखने में छोटा था लेकिन यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा सबसे बड़ा युद्ध था, जिसमें बड़े पैमाने पर असलाह व युद्ध सामग्री का प्रयोग किया गया। उन्होंने कहा कि विश्व की विषमतम परिस्थितियों में यह जीता गया, जिसमें हमारे ५२७ जवान शहीद हुए। हमें उन शहीदों पर गर्व है और इस बात का इससे भी अधिक गर्व है कि इस शहादत में उत्तराखण्ड की भागीदारी सबसे अधिक थी। डा. कुमार ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय शहीदों के परिवारों के साथ खड़ा है।

डा. एस.के. बंसल ने इस अवसर पर उपस्थित शहीदों के परिवारजनों, सैनिकों व पूर्व सैनिकों का इस आयोजन में भाग लेने के लिए आभार प्रकट किया तथा कारगिल के शहीदों व देश में आतंकवाद से लड़ते हुए शहीद हुए जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। डा. कुमार एवं डा. बंसल ने शहीदों के परिवार जनों, सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में विभिन्न मोर्चों पर शहीद हुए जवानों के परिवारजनों, श्रीमती भागीरथी व श्री बी.डी. खोलिया ने अपने अनुभव बांटे। साथ ही कारगिल युद्ध में शामिल हुए जवान श्री मान सिंह मेहता ने युद्ध के मंजर को बयान किया। श्री देवी दत्त उपाध्याय, अध्यक्ष, पूर्व सैनिक संगठन एवं श्री खड़क सिंह कार्की, पूर्व सैनिक अध्यक्ष, ऊधमसिंह नगर ने भी अपने विचार प्रकट किये। स्थानीय कवि, श्री विवेक चौहान एवं श्री के.पी. सिंह द्वारा वीर रस से ओत-प्रोत कविताओं का पाठ किया गया। इस कार्यक्रम के प्रारम्भ में कृषि संचार विभाग की प्राध्यापक, डा. वी.एल.वी. कामेश्वरी, ने उपस्थितजनों का स्वागत किया तथा अंत में प्राध्यापक, डा. एम.ए. अंसारी ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन श्रुति त्रिवेदी एवं संजय कुमार ने किया।

शौर्य दिवस पर विभिन्न मोर्चों पर शहीद हुए जवानों के परिवारजनों को सम्मानित करते अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार एवं निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक